12-8-67

रात्रि क्लास ओमशान्ति 12-8-67

सभी सेन्टरों प्रति समाचार कि आज ×मधुव× मधुवन में 10-12 बच्चों का सेमीनार हो रहा है। इस में निमंत्रण तो बहुतों का था फिर बहुतों ने लिखा हम भी क्यों न आवें तो बाबा ने ख्याल किया 100-150 आ जायें। फिर बाबा का विचार आया क्रिके कि पहले थोडों का सेमीनार किया जावे। फिर कुछ रिजल्ट× निकेल निकेली सो फिर अक्टूबर में बड़ा सेमीनार करेंगे। आज सवेरे 9 बजे बाप दादा से सेमीनार का उद्घाटन×क्रि किया। और समझाया भी मुल बात है। गीता पर। गीता शिव बाबा ने सनाई है। दूसरा पतितपावन ज्ञान×स सागर है। चित्र भी ऐसा बनाना चाहिए। ऐसे समझाये बच्चों का मुख मीठा कराये आये। सारा दिन बच्चों ने मेहनत की। आपस में पाइन्टस निकली?। बच्चों ने एक विचार निकाला प्रदर्शनी का जो नाम रखा जाता है वह बदली किया जाये। या यही रहे। शिव नव निर्माण प्रदर्शनी अर्थात् नई दुनिया×दुनिया×× कैसे स्थापन हो रही है। फिर यही नाम पास किया। दूसरा विचार निकला ब्रह्मा कुमारीयाँ नाम कोई प्रजापिता, कोई गीता पाठशाला लिखते है। नाम एक ही होना चाहिए। ईश्वरीय विश्व विद्यालय। बाबा ने कहा नीचे लिख दो गाड फादरली युनिवरसिटी। आगे भी गवर्मेन्ट ने इतराज उठाया। फिर लिखो ईश्वरीय विश्व×विश्व×वर्ल्ड विद्यालय वा गाड फादरली युनिवरसिटी। अर्थ एक ही है। फिर कहेंगे हिन्दी में लिखने देते तो अंग्रेजी क्यों क्यों नहीं। सच्ची गीता पाठशाला लिखते है तो ब्रह्मा कुमारी नाम तो लिखते ही हैं। हर्जा नहीं है। दिन प्रति दिन नई2 नामे निकालते हैं। भल आपस में राय कर पास करो। यह नाम हो तो बाबा को हर्जा नहीं है। और बात निकली कि सभी भाषाओं में चित्र हो। बाबा ने कहा कि भल छपाओ बाबा की मनाह नहीं है। फिर बोला ड्रेस युनिवरसल होनी चाहिए ×× गोपों की। हमने कहा कि यह तो जैसे क्रिश्चियन कोड्रो की कापी करना हो गया। ड्रेस भल कोई भी पहनें बैज लगाये दो। अगर कोई ड्रेस पास करो तो भल करो। दूसरी बात निकली बच्चों ने कहा हम गीता जयन्ती मनावें धूम धूम से। अपना सप्ताह मनावें। यूं तो अपनी राजाई आई नहीं है। जो हम यह सब चलावें। फिर भी बाबा ने कहा भल आपस में राय करो। बाबा तो यहाँ बैठे है। करना तो बच्चों को है। सिद्ध करना है गीता का भगवान कौन। फिर बाबा ने कहा कि इस पर कान्फ्रेंस बुलाओ। जो भी गीता वाले बड़े2 हैं। बहुत गीतायें बनाते हैं। श्लोक का अर्थ सभी ने उल्टा सुल्टा×× अपना किया है। तो शिव× पहले सिद्ध ही करना है कि गीता कृष्ण ने नहीं शिव ने ×× सुनाई। उनके जिस चित्र बनाओ। दोनों के चित्र ×××× दोनों की आक्युपेशन। फिर शिव बाबा कहते है जज करो राईट क्या है रांग क्या है। पतित पावन पानी की गंगायें या मैं ज्ञान सागर। उनसे दुर्गति होती है। उनसे सदगति होती है। तो मनुष्य अच्छी रीत समझे। मुख्य बातें लिखो कि कहा किताब बनावें। शिव बाबा कहते हैं अपन को आत्मा समझ मामेकं याद करो। तो सतोप्रधान बन जायेंगे। भल छोटा किताब बनावें। किसके लिए बोला ब्रीफ बनावें। एक वकील तो है योग युक्त भी है। याद की यात्रा पर हैं। कहा उन पायन्टस को याद करे क्लायन्स के लिए कहां इन बातों को उठावें। कहा है हम बनावेंगे। मतलब तो बच्चे ने सारा दिन बहुत बातें निकाली। फिर बाबा को बुलाया। बाबा ने सब सुना और बताया। जोर रखा हमको वाम्ब चाहिए। सेकन्ड मे जीवन मुक्ति का वाम्ब है। यह गीता के भगवान की पाईन्ट। और पतित पावन ज्ञान सागर है न कि यह समझते है सारी पृथ्वी के नीचे ×× गंगा ही गंगा है। तो तुम यह लिखो पतित पावन एक ही है। यह मुख्य तीन पाईन्टस डाल कर किताब बनाओ। हर चित्र में भगवानुवाच हो। यह भी लिखो भगवान कहते हैं मेरी कितनी ग्लानी करते हैं। कण कण में ठोक देते है। आज कल तो बैठे एक तरफ शिवोहम कहते है दूसरे प× तरफ जो शंकराचार्य बैठ शिव की पूजा करते है। पुजारी फिर पूज्य कैसे हो सकता। पुजारी पूज्य को माथा टेकते है। पुजारी फि× को कैसे माथा टेकेंगे। ऐसी पाइन्ट डालो तो सर्विस में काम में आवे। और ×दे देहली में सबसे अच्छा म्युजियम बनाओ। विश्व में शान्ति लाने का म्युजियम। या और कोई नाम। जो कर्तव्य है नाम डालना हर्जा नहीं। अच्छे2 को निमंत्रण दो। विश्व में शान्ति तो बाप का ही काम है। ××××××× और

वो ही पवित्रता का सागर, सुख का सागर है। कुछी राय निकली मण्डप अलियुमिनियम का बने। 6 हजार
खर्चा होगा। बाबा ने कहा भल हम सेवस्थान ... ... ओं। सहज होगा। फिर कार भी मिलिंगेंx
जेसे गांव2 की सर्विस करेंगे। कार के कैरियर पर मण्डप रख देगे। बरसात भी नही पड़ेगी। जैसे सरकस का
वाले चक्र लगते हैं। भल तुम करो। टेन्ट में भी बरसात नहीं आती है। ऐसे2 पाईन्ट आज के दिन में बच्चों
ने 10 घंटा बैठ निकाली हैं। भारत के सेवा लिए क्या2 उपाय निकाले। आज यह निकाली हैं। फिर कल
शुरु करेंगे। सभी सेन्टरस के बच्चों लिए यह सर्विस कर रहे हैं। कल का समाचार मिरवल सुनावेंगे। सेमीनार को
प्रबन्ध जिस ने किया हैकमाल है उनकी। बहुत मेहनत की है। सब पाईन्टस बाम्बे से भी निकल आती है।
बाप कहते हैं बच्चे तुम बहुत2 पदम भाग्यशाली हो। जानते हो बाप पढ़ाते हैं। और जहाँ डाग बीचज़
पढ़ाते हैं वह क्या बनावेंगे। बाप कहते हैं मैं इस पढ़ाई से गाड गाडेस की राजाईसिर से स्थापन कर रहा
हूँ। तुमको अविनाशी सर्जन बनाता हूँ। एक हो रुहानी इन्जेक्शन से स्वर्ग के मालिक बन जावेंगे। उस पढ़ाई
से डाक्टर बन कर क्या करेंगे। इन से तो तुमको विश्व का मालिक बनाता हूँ। ज्ञान अंजन सदगुरु दिया ...
तुमको सारे विश्व का आद मध्य अन्त का नालेज देता हूँ। मनुष्य 84 जन्म कैसे लेते है यह भी जानते होक्र
इस मृत्यु लोक का तो मौत सामने खड़ा है। तुम काल पर जीत पहनते हो। वहाँ अकाले मृत्यु आवेंगा नहीं।
ऐसी पढ़ाई छोड़ कहे कि मैं ड्डक्क डॉक्टरी पढुगीं। मौत सामने खड़ा है। तुमको भगवान विश्व का मालिक
बनाते हैं वह पसंद नहीं आता है। यह तो हजाम है। जो कहते हम तो यह करेंगी। बेहद के बाप का....
मानते हैं। भगवानुवाच मैं तुमको अपने से भी ऊंच बनाता हूँ। मैं तो सिर्फ मूल वतन में रहता हूँ। और पति
मृत पलिती तन मे आता हूँ। स्वर्ग भी नसीब में नहीं है। तो तुम विश्व के मालिक बनते हो। महान पदम
भाग्यशाली भी यहाँ तो महान कम्बख्त भी यहाँ देखो। हम यह करेगा विलायत में जाये यह करुंगा। अरे विलायत
आद रहेंगे नहीं। इस पढ़ाई मे लग जाओं। कन्याओं को तो बाबा बहुत उठाते है। राजाओं को जाकर समझाओं।
तुम डबल सिरताज हो फिर ऐसे सीढ़ी उतर सिंगल ताज वाले बने। अब फिर बाप आये हैं। कहते हैं मामेकं
याद करो। ऐसे2 राजाओं को छोटी बच्ची बतावे तो कमाल कर देगें। कहेंगे तुम हमारी बच्ची बनेंगी। अरे
हमको स्वर्ग की बादशाही मिलती है, हम यह क्या करेंगे। तो बाप कहते हैं माया से खबरदार रहो। चूहा कैसे
काटते है। फूंक देते मांस खाते रहते हैं। रावण राज्य में रावण ने तुम्हारा खुन चुस लिया है। क्या बनाये दिया
है। अब बाप तुमको विश्व का मालिक बनाते हैं। बाप कहते हैं कल राज्य दिया था सब गंवाये दिया है।
अब फिर तुमको विश्व का मालिक बनाते है। कल्प 2 बनाते हैं। यह सेमीनार भी कल्प 2 किया होगा ना।
खुशी का पारा चढ़ जाना चाहिए। बाप पढ़ाते हैं। भगवानुवाच मैं राजाओं का राजा बनाता हूँ। सिर्फ नाम बदल
दिया है। कृष्ण गोरा था तब तो ज्ञान नहीं देगें। सांवरा है तब ज्ञान देते है। सांवरा कृष्ण अभी कहाँ है?
(सामने बैठे हैं।) बाप को तो याद है हम टिचर हैऔर स्टुडेन्टस भूल जाते हैं। इसलिए बाप कहते हैं
तीन नाम रखे हैं। बाप, टिचर, गुरु। बाप भूलो तो टिचर याद करो, गुरु याद करो। तुम बहुत वन्डर फुल हो।
बाबा को बहुत खुशी होती है। छोटी2 कुमारियां कान्फ्रेंस में बैठ समझावे। कुमारियों बहु अन्दर घूस जावे
कान्फ्रेन्स में एक ही ड्रेस में। ऐसा वन्डर कर दिखावे। बड़ों2 को बताये इन छोटी2 को अन्दर ले जाओं। कर सक
सकते हैं। कुमारियों को ही हम विलायत मे भेजूं। अंग्रेजी में समझावे। तो कहेंगे सच्ची2 स्प्रीच्युअल नालेज देने
वाली तो यह है। ऊंच पद पाना हैना। बाप यह बनाते हैं तो पुरुषार्थ भी करना चाहिए। शिवदत्त भी कहते
हैं हम तो अब पुरुषार्थ करने से नारायण बनूंगा। नारायण बनने को ही कथा है। लक्ष्मी बनने की कथा थोड़े
ही है। बाबा कहते हैं राजाओं का राजा बनाता हूँ। ऐसे थोड़े ही कहते रानियों का रानी बनाता हूँ। है ही
सत्य नारायण की कथा। अच्छा गुड नाईट।